श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

शिवरात्री सधनाऐं

1) आध्यात्मिक उन्नति एवं गुरुकृपा से शिव दर्शन हेतु:-

मंत्र :- || ॐ श्रीं नमः शिवाय श्रीं ॐ ||

विधान:- साधक या साधिकाये ,पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र और शिवलिंग लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे |

सामाग्री :- रुद्राक्ष माला

जप संख्या :- 16 माला

****

2) शिवोक्त लक्ष्मी साधना:-

मंत्र:- || ॐ श्रीं मनोवांछित देहि ॐ ॐ नमः शिवाय ||

विधान:- साधक या साधिकाये ,पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र और शिवलिंग लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे |

सामाग्री :- स्फटिक या कमलबीज माला

जप संख्या :- 21 माला

****

3) भूत बाधा निवारण हेतु:-

मंत्र:- || ॐ ह्रीं ऐं नमो रुद्राय भूतान प्रासय ॐ फट् ||

विधान:- मध्यरात्री साधक या साधिकाये ,पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे | कुष्मांड (काशी फल) को सामने रखकर पंचोपचार पुजा करे और निम्न लिखित मंत्र का 11 माला जाप करे | साधना उपरान्त माला और कुष्मांड (फोड कर) विसर्जन करे |

सामाग्री :- मुंगा माला और कुष्मांड (काशी फल)

जप संख्या :- 11 माला

****

4) गृहस्थ सुख, विवाह संबंधीत बाधाओं से मुक्ती हेतु :-

मंत्र:- || ह्रीं ॐ नमः शिवाय ह्रीं ||

विधान:- साधक या साधिकाये ,पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र और शिवलिंग लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे | शिवलिंग पूजन करके,निम्न मंत्र का जाप करे |

सामाग्री :- रुद्राक्ष माला

जप संख्या :- 54 माला

****

5) त्रिगुणात्मिक शिव प्रत्यक्ष साधना:-

मंत्र:- || ॐ शिवाय लक्ष्मी नृसिंह प्रियाय ब्रह्म-रूपाय सदाशिवय नमः शिवाय ॐ ||

विधान:- साधक या साधिकाये , सफेद / पीत वस्त्र धरण कर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे | 5 माला से सिद्धि होता है,त्रिकाल दर्शन हेतु 5 बर जप करे |

सामाग्री :- विध्युत माला

जप संख्या :- 5 माला

****